ब्रिटेन की राजनीति पर चरमपंथी मुसलमानों का कब्जा

संक्षिप्त खबरें

मिलिशिया संघर्ष में 40 लोगों के मारे जाने की आशंका

अबूजा। नाइजीरिया के बेनू राज्य में मिलिशिया समूहों के बीच घातक संघर्ष में 40 से ज्यादा लोगों के मौत होने के बाद मंगलवार को सुरक्षाकर्मियों को तैनात किया गया है। नाइजीरिया की आधिकारिक समाचार एजेंसी (एनएएन) ने विश्वसनीय सैन्य स्रोत के हवाले से अपनी रिपोर्ट में बताया कि बेन्यू के उकुम स्थानीय सरकारी क्षेत्र के गवागोर समुदाय में शुरू हुई यह झड़प बुधवार तक जारी रही। इस संघर्ष में कथित रूप से स्थानीय लोग फंस गए थे, क्योंकि क्षेत्र में अज्ञात मिलिशिया समूहों के बीच संघर्ष तेज हो गया था। पीड़ितों में अधिकांश रूप से प्रतिद्वंद्वी मिलिशिया समूहों के सदस्य शामिल थे।

नाइजीरिया में सैनिकों, हमलावरों के बीच झड़प

अबूजा। नाइजीरिया के दक्षिणपूर्वी प्रांत इमो में सैनिकों और हमलावरों के बीच झड़प में पांच हमलावरों की मौत हो गयी। सेना के प्रवक्ता ओनोमा नवाचुकु ने गुरुवार को एक बयान में कहा कि सैनिकों ने मंगलवार को राज्य के ओगुटा स्थानीय सरकारी क्षेत्र में प्रतिबंधित पूर्वी सुरक्षा नेटवर्क के शिविर पर छापेमारी की। इस दौरान गोलीबारी में पांच हमलावर मारे गये। साथ ही खतरनाक हथियारों का बड़ा जखीरा बरामद किया गया।

यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की पर रूसी मिसाइल से जानलेवा हमला

कीव। यूक्रेनी राष्ट्रपति व्लोदिमिर जेलेंस्की पर रूसी मिसाइल से जानलेवा हमला हुआ है। ये हमला तब हुआ जब वो ग्रीक पीएम क्यारीकोस मिस्तोटाकिस के साथ ओडेसा में ब्लैक सी के पास एक पोर्ट पर थे। इस हमले में जेलेंस्की बाल-बाल बच गए। उन्होंने कहा कि वो इस मिसाइल के इतने करीब थे कि उन्होंने इसे देखा और इसकी आवाज को सुना। इस हमले में कई लोगों के मारे जाने की खबर है। इसके अलावा कई लोग घायल भी हुए हैं। जेलेंस्की ने कहा कि हमने आज ये हमला देखा। आप देख सकते हैं कि हम किसके साथ जूझ रहे हैं, उन्हें इसकी परवाह नहीं है कि वे कहां हमला करते हैं। ज़ेलेंस्की ने बुधवार को ओडेसा में कहा, ÷मुझे पता है कि आज इस घटना में काफी नुकसान पहुंचा है। मुझे अभी तक सभी डिटेल नहीं मिले हैं, लेकिन मुझे पता है कि कई लोग मारे गए हैं और घायल हुए हैं।÷ जेलेंस्की ने कहा कि, ÷हमें सबसे पहले अपना बचाव करने की ज़रूरत है। ऐसा करने का सबसे अच्छा तरीका मजबूत एयर डिफेंस सिस्टम है। आपको बता दें कि रूस और यूक्रेन के बीच पिछले दो साल से अधिक समय से युद्ध जारी है। रूस पहले भी कई बार ओडेसा को निशाना बना चुका है। इससे पहले रविवार को रूस ने ड्रोन से ओडेसा में तबाही मचाई थी। इसमें एक मासूम और दो साल के बच्चे सहित सात लोगों की मौत हो गई जबकि तीन साल की बच्ची समेत 8 लोगों के घायल हो गए।यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की ने कहा था कि ईरान द्वारा आपूर्ति किए गए शहीद ड्रोन का इस्तेमाल करके यह हमला किया गया है। उन्होंने कहा कि इस हमले का कोई सैन्य अर्थ नहीं है और इसका उद्देश्य केवल लोगों को मारना था। जेलेंस्की ने कहा कि यूक्रेन को हथियारों की आपूर्ति में देरी का सामना नहीं करना पड़ रहा होता तो इस हमले से बचा जा सकता था।

सुप्रीम कोर्ट ने 44 साल बाद मानी अपनी गलती

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के सुप्रीम कोर्ट ने 44 साल पहले फांसी पर लटकाए गए पूर्व पीएम जुल्फिकार अली भुट्टो को मिली सजा के मामले में गलती मानी है। अदालत ने कहा कि 1979 में जुल्फिकार अली भुट्टो को सैन्य शासन में फांसी दी गई थी। उनके खिलाफ हत्या का मुकदमा चल रहा था, लेकिन उनके खिलाफ ट्रायल सही से नहीं चला। बीते कई सप्ताह से इस मामले में सुनवाई चल रही थी और सोमवार को अदालत ने फैसला सुरक्षित रख लिया था। चीफ जस्टिस काजी फैज इसा ने कहा, %हम नहीं मानते कि जुल्फिकार अली भुट्टो के खिलाफ सही से केस चला था और न ही पूरी प्रक्रिया का पालन किया गया। जुल्फिकार अली भुट्टो को मिली सजा के फैसले पर समीक्षा याचिका 2011 में पूर्व राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने दायर की थी। आसिफ अली जरदारी रिश्ते में भुट्टो के दामाद हैं।

एजेंसी

लंदन। ब्रिटेन के राजनेताओं को गाजा युद्ध में इजराइल का समर्थन करने की एक बड़ी कीमत चुकानी पड़ रही है। ब्रिटेन के कई सांसदों को कट्टरपंथी मुसलमानों से जान की धमकियां मिल रही हैं। यही वजह है कि कई ब्रिटिश सांसदों को निजी अंगरक्षक नियुक्त करने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। ब्रिटिश मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक हाल में ही 3 ब्रिटिश महिला सांसदों को अतिरिक्त सुरक्षा मुहैया कराई गई है। हालांकि इन सांसदों के नाम का खुलासा अभी नहीं किया गया है।

प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने ब्रिटिश सांसदों को मिल रही धमकियों के बाद एक बयान जारी कर कहा कि देश के लोकतांत्रिक और बहुआस्था वाले मूल्य चरमपंथियों की वजह से खतरे में पड़ रहे हैं। सांसदों को जान से मारने की धमकियों का सामना करने के कारण, आगामी ब्रिटिश आम चुनाव में बड़ी भीड़ के बीच प्रचार करना जोखिम भरा होगा। वहीं, ब्रिटिश राजनेता हिंसा के खतरे में नहीं हैं। बल्कि आम लोग भी इससे इतने ही प्रभावित हैं। जिस लंदन को दुनिया का सबसे विकसित शहर कहा जाता था अब वह अपने अपराध के लिए जाना जाने लगा है। मोपेड पर चाकू लेकर चलने वाले युवा गिरोह महंगी घड़ियों, मोबाइल फोन और अन्य सामान छीन ले रहे हैं। कई भारतीय पर्यटक मध्य लंदन में दिनदहाड़े लूटे जाने की शिकायत कर चुके हैं। हाल ही में पूर्व विश्व मुक्केबाजी चैंपियन आमिर खान को बंदूक की नोक पर पूर्वी लंदन में लूट लिया गया था। इसमें उन्हें अपनी 70,000 पाउंड की फ्रैंक मुलर घड़ी गंवानी पड़ी थी। लंदन को अपराध से भरे महानगर में तब्दील करने के लिए जिस व्यक्ति को दोषी ठहराया जा रहा है, वह मेयर सादिक खान हैं। उनके राज में लंदन में अपराध बढ़ गया है। ब्रिटिश पर्यटन अधिकारियों ने लंदन पुलिस को चेतावनी जारी की है कि विदेशी छुट्टियां मनाने वालों के पास लंदन के अलावा यूरोप में घूमने के लिए अधिक सुरक्षित शहर हैं और पर्यटकों के लिए शहर को सुरक्षित बनाने के लिए और अधिक कार्रवाई की आवश्यकता है।लंदन की जनसांख्यिकी तेजी से बदल रही है।

नवीनतम जनगणना के अनुसार, ब्रिटिश गोरे अब लंदन की आबादी का केवल 30 प्रतिशत है। लंदन में स्थायी रूप से रहने वाले अन्य यूरोपीय श्वेतों की संख्या अन्य 20 प्रतिशत है। शेष 50 प्रतिशत भारत, पाकिस्तान, बांग्लादेश, चीन और कैरेबियन के जातीय अल्पसंख्यक हैं। लंदन अपने इतिहास में पहली बार श्वेत-अल्पसंख्यक शहर बनने जा रहा है। सिर्फ 100 साल पहले, लंदन में 98 फीसदी लोग गोरे हुआ करते थे। ब्रिटेन में, विशेष रूप से लंदन और अन्य बड़े शहरों में इस्लामवादियों की भारी उपस्थिति, ब्रिटिश सांसदों के लिए आम चुनाव से पहले ही खतरे को बढ़ा रहा है। पिछले साल ही इजराइल पर हमले के बाद मध्य लंदन में फिलिस्तीन समर्थक रैली में लगभग 100,000 लोग शामिल हुए थे। इस दौरान इन लोगों को जिहाद के नारे लगाते हुए सुना गया था। दरअसल लंदन की पुलिस पर आरोप लगा था कि उन्होंने जिहाद के समर्थन में नारे लगाते लोगों पर कोई कार्रवाई नहीं की। इससे पहले पूर्व ब्रिटिश गृह मंत्री सुएला ब्रेवरमैन ने दावा किया था कि ब्रिटेन को इस्लामवादी चला रहे हैं। दरअसल, लंदन इस्लामी चरमपंथियों के लिए सुरक्षित पनाहगाह बन गया है। पाकिस्तान मूल के मेयर सादिक खान, जो 2016 से पद पर हैं, पर इस्लामवादियों के प्रति नरम रुख अपनाने का आरोप है क्योंकि वह मेयर चुनावों में मुस्लिम वोटों पर भरोसा करते हैं। ऐसा दावा किया जाता है कि भारत की तरह, ब्रिटेन में भी मुसलमान गुटों में वोट करते हैं। पिछले हफ्ते ग्रेटर मैनचेस्टर के एक शहर रोशडेल में हुए उपचुनाव में विवादास्पद राजनेता जॉर्ज गैलोवे की जीत से यह उजागर हुआ था। इस उपचुनाव के परिणामों से पता चला कि गाजा युद्ध ब्रिटिश राजनीति को कितनी गहराई से प्रभावित कर रहा है। जनमत सर्वेक्षणों में लेबर पार्टी को कंजर्वेटिव पार्टी पर 15 प्रतिशत से अधिक की बढ़त मिल रही है। ऐसे में लेबर पार्टी के नेता कीर स्टार्मर को भावी ब्रिटिश प्रधानमंत्री माना जा रहा है। इस बीच हुआ ये कि कीर स्टार्मर ने यहूदी विरोधी टिप्पणी के कारण अपनी लेबर पार्टी के उम्मीदवार अजहर अली को सस्पेंड कर दिया। चुनाव में इसका फायदा जॉर्ज गैलोवे को मिला। लेबर उम्मीदवार के लिए पार्टी के समर्थन के अभाव में, गैलोवे ने जोरदार जीत हासिल की। मुस्लिमों ने गैलोवे का जमकर समर्थन किया। गैलावे ब्रिटेन की छोटी वर्कर्स पार्टी का नेतृत्व करते हैं, और फिलिस्तीन के एक मजबूत समर्थक हैं। गैलोवे के पक्ष में के जबरदस्त समर्थन ने कीर स्टार्मर को चिंतित कर दिया और उन्हें इसके लिए माफी तक मांगनी पड़ी। इस साल के अंत तक ब्रिटेन में चुनाव होने की संभावना है। इसी बीच गैलोवे अपनी खतरनाक राजनीति से स्टार्मर और सुनक दोनों के लिए परेशानी बनते जा रहे हैं। अपनी पार्टियों के मतभेदों को किनारे रखते हुए, स्टार्मर और सुनक इजराइल का समर्थन करने के लिए एक साथ आए हैं, जो युवा ब्रितानियों, श्वेत और जातीय अल्पसंख्यकों दोनों को अलग-थलग कर सकता है।

मालदीव के राष्ट्रपति ने हाइड्रोग्राफिक सर्वेक्षण करने के लिए भारत के साथ समझौते को रिन्यू करने से इनकार

एजेंसी

माले। भारत और मालदीव के बीच रिश्ते सुधरने का नाम नहीं ले रहे हैं। मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने हाइड्रोग्राफिक सर्वेक्षण करने के लिए भारत के साथ समझौते को रिन्यू करने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा कि मालदीव सरकार भारत के साथ इस समझौते को आगे जारी रखने पर विचार नहीं कर रही है। यह पहली बार है जब मुइज्जू ने जलक्षेत्र सर्वेक्षण को लेकर सार्वजनिक बयान दिया है।

रोचक बात यह है कि मुइज्जू की यह घोषणा चीनी जासूसी जहाज के निकलने के कुछ दिनों बाद आई है।चीनी जहाज तकरीबन एक महीने तक माले में खड़ा रहा था। मालदीव सरकार का यह तब सामने आया है जब कुछ दिन पहले मुइज्जू ने चीन से ÷मजबूत÷ द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ावा देने के लिए मुफ्त सैन्य सहायता प्रदान करने के लिए रक्षा सहयोग समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। चीन के अंध-समर्थक माने जाने वाले मुइज्जू के पिछले साल सत्ता संभालने के बाद से भारत-मालदीव संबंधों को लगातार झटका लगा है। नवंबर 2023 में शपथ लेने के कुछ घंटों बाद ही मुइज्जू ने भारत के खिलाफ पहला कदम उठाया था।

मुइज्जू ने घोषणा की कि वे जल्द से जल्द भारतीय सैनिकों की मालदीव से वापसी जल्द सुनिश्चित करेंगे। मुइज्जू ने 10 मई तक भारतीय सैनिकों के देश छोड़ने की बात कही है। मुइज्जू की भारत से रिश्ते तोड़ने की नई घोषणा चीनी रिसर्च और %जासूसी% जहाज द्वारा माले छोड़ने के बाद आई है। चीनी जासूस जहाज माले में लगभग एक महीने तक रहा। सोमवार को एक समारोह में बोलते हुए मुइज्जू ने कहा, मालदीव का रक्षा मंत्रालय देश द्वारा ही हाइड्रोग्राफिक सर्वेक्षण करने के लिए आवश्यक सुविधाएं प्राप्त करने के प्रयास कर रहा है। राष्ट्रपति मुइज्जू ने कहा, ÷हाईड्रोग्राफिक सर्वेक्षण को लेकर आत्मनिर्भर होने से मालदीव को देश के पानी के भीतर सर्वेक्षण करने की अनुमति होगी। फिर हम अपनी पानी के नीचे की विशेषताओं की सभी जानकारी प्राप्त करेंगे और चार्ट तैयार करेंगे। यह सबकुछ हमारे द्वारा ही तैयार किए जाएंगे। बता दें कि पूर्व राष्ट्रपति इब्राहिम मोहम्मद सोलिह के नेतृत्व में सरकार ने मालदीव की पानी के नीचे की विशेषताओं का हाइड्रोग्राफिक सर्वेक्षण करने के लिए भारत सरकार के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। यह पहली बार है कि मुइजू ने अपनी सरकार की हाइड्रोग्राफिक सर्वेक्षण योजनाओं के बारे में सार्वजनिक रूप से टिप्पणी की है।

बुजुर्ग ने लगवा लीं कोरोना वैक्सीन की 217 डोज

बर्लिन। जर्मनी के मैगडेबर्ग शहर में रहने वाले एक 62 वर्षीय बुजुर्ग शख्स ने हैरान करने वाला दावा किया है। उसने बताया कि उसे कोरोना वायरस की 200 से अधिक वैक्सीन की डोज लगी हैं। शख्स के इस दावे के बाद वैज्ञानिकों के होश उड़ गए। फ्रेडरिक-अलेक्जेंडर-यूनिवर्सिटीएट एर्लांगेन-नूर्नबर्ग (एफएयू) और यूनिवर्सिटाट्सक्लिनिकम एर्लांगेन के शोधकर्ताओं ने अखबार की रिपोर्टों से उस व्यक्ति के बारे में पता लगाया और उसकी इम्यून रिस्पॉन्स का अध्ययन किया। इंस्टीट्यूट ऑफ माइक्रोबायोलॉजी - क्लिनिकल माइक्रोबायोलॉजी, इम्यूनोलॉजी एंड हाइजीन के डॉ. किलियन शॉबर ने कहा, हमें अखबार के लेखों के माध्यम से उनके मामले के बारे में पता चला। हमने फिर उनसे संपर्क किया और उन्हें एर्लांगेन में विभिन्न परीक्षणों से गुजरने के लिए कहा। वह ऐसा करने में बहुत रुचि रखते थे। प्रेस रिलीज में यह भी कहा गया है कि जर्मनी के यह व्यक्ति को 29 महीनों के निजी वजहों से 217 टीकाकरण लगाए गए।

रूस और यूक्रेन के युद्ध में मारा गया हैदराबाद का युवक

एजेंसी

हैदराबाद। रूस और यूक्रेन में चल रही जंग में हैदराबाद के एक युवक की मौत हो गई है। अधिकारियों ने बुधवार को मामले में जानकारी दी कि 30 वर्षीय युवक जिसे कथित तौर पर नौकरी के नाम पर एक एजेंट ने धोखे से रूसी सेना में भर्ती करवा दिया था। उसकी यूक्रेन में चल रहे युद्ध में लड़ते हुए मौत हो गई। हैदराबाद में लड़के का परिवार रहता है। वह अपने पीछे दो मासूम बच्चों और पत्नी को अकेला छोड़ गया।

इस युवक के अलावा हाल ही में जानकारी भी सामने आई थी कि पंजाब के होशियारपुर के सात लड़के यूक्रेन में रूस की तरफ से जंग में फंसे हुए हैं। उन्होंने वीडियो जारी कर मदद की गुहार लगाई थी। जानकारी के अनुसार, रूस और यूक्रेन युद्ध में मरने वाले युवक की पहचान मोहम्मद असफान के रूप में हुई है। यह 30 वर्षीय युवा हैदराबाद का रहने वाला है जो नौकरी की तलाश में रूस गया था लेकिन, एजेंट ने उसे धोखे से रूसी सेना में सहायक के तौर पर भर्ती कर दिया। उसके परिवार ने उसे रूस से वापस लाने में सहायता के लिए एआईएमआईएम प्रमुख और हैदराबाद के सांसद असदुद्दीन ओवैसी से संपर्क किया था। जब मॉस्को स्थित भारतीय दूतावास से संपर्क किया तो अधिकारियों ने पुष्टि की कि असफान की मौत हो गई है। ऐसी जानकारी सामने आई है कि कई अन्य लोगों के साथ, असफान को कथित तौर पर भ्रामक एजेंटों द्वारा गुमराह किया गया। वह रूस में मामूली नौकरी के चलते रूस पहुंचा था लेकिन, उसे रूसी सेना में भर्ती करवा दिया और फ्रंटलाइन वर्कर के तौर पर लड़ने के लिए यूक्रेन भेज दिया। गौरतलब है कि अफसान की मौत गुजरात के एक 23 वर्षीय भारतीय युवक की रूस में मौत के कुछ हफ्तों बाद हुई है। वह भी यूक्रेन के साथ चल रहे युद्ध के दौरान रूसी सेना की तरफ से जबरन लड़ने के लिए भर्ती करवाया गया था।

उत्तर कोरिया ने दिए अमेरिका और दक्षिण कोरिया के खिलाफ युद्ध की तैयारी के आदेश

एजेंसी

उत्तर कोरिया। मीडिया ने दावा किया है, कि देश के नेता किम जोंग उन ने संयुक्त राज्य अमेरिका और दक्षिण कोरिया के खिलाफ ज्यादा क्षमता के साथ युद्ध-लड़ने का आह्वान किया है। किम जोंग उन का बयान उस वक्त आया है, जब रिपोर्ट है, कि दक्षिण कोरिया और अमेरिका एक बार फिर से सैन्य अभ्यास कर रहे हैं। उत्तर कोरिया रक्षा मंत्रालय का मानना है, कि अमेरिका और दक्षिण कोरिया के बीच होने वाला सैन्य अभ्यास उसके क्षेत्र में आक्रमण है, लिहाजा उत्तर कोरिया लगातार अपनी सैन्य क्षमता को बढ़ा रहा है और बार बार अपनी सेना को युद्ध की तैयारी को अगले स्तर पर ले जाने का आदेश दे रहा है। जब दक्षिण कोरिया और अमेरिका ने पिछली बार सैन्य अभ्यास किया था, उस वक्त उत्तर कोरिया ने कई मिसाइलों का परीक्षण किया था। उत्तर कोरिया के आधिकारिक कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी ने कहा है, कि बुधवार को पश्चिमी ऑपरेशनल ट्रेनिंग बेस की यात्रा के दौरान, किम जोंग उन ने कहा, कि सेना को ÷पूरे पैमाने पर युद्ध लड़ने के लिए अपनी लड़ाकू क्षमता में सुधार के लिए वास्तविक युद्धाभ्यास की संख्या में तेजी लाना चाहिए। इसके अलावा, किम जोंग उन ने मिलिट्री बेस पर उत्तर कोरिया की सेना की इकाइयों के युद्धाभ्यास की बारीक जांच की है।

अमेरिका-दक्षिण कोरियाई सैन्य अभ्यास

किम जोंग उन का युद्ध की तैयारी करने का आदेश उस वक्त आया है, जब दक्षिण कोरिया और अमेरिका के बीच चल रहे युद्धाभ्यास को लेकर उत्तर कोरिया के रक्षा मंत्रालय ने आक्रमण करार दिया। आपको बता दें, कि अमेरिका और दक्षिण कोरिया ने सोमवार से 11 दिवसीय वार्षिक कंप्यूटर-सिम्युलेटेड कमांड पोस्ट प्रशिक्षण और विभिन्न प्रकार के फील्ड अभ्यास शुरू किए हैं। अमेरिका और दक्षिण कोरिया के बीच हो रहे इस साल के अभ्यास में 48 फील्ड एक्सरसाइज किए जा रहे हैं, जो पिछले वर्ष की तुलना में दोगुना है। दोनों देशों ने कहा है, कि उनका अभ्यास रक्षात्मक प्रकृति का है, क्योंकि उत्तर कोरिया अपने हथियारों के विकास में तेजी ला रहा है और संयुक्त राज्य अमेरिका और उसके एशियाई सहयोगियों के साथ परमाणु संघर्ष की उत्तेजक धमकियां दे रहा है। उत्तर कोरिया ने जनवरी में लंबी दूरी की कई क्रूज मिसाइलों और एक नई सॉलिड ईंधन मध्यवर्ती दूरी की मिसाइल का परीक्षण किया है, जिसने कोरियाई प्रायद्वीप में तनाव को और भड़का दिया है। 2024 में उत्तर कोरिया ने छह राउंड के मिसाइल परीक्षण किए थे। जिसका जापान के साथ अमेरिका और दक्षिण कोरियाई सेनाओं ने अपने ट्रेनिंग एक्सरसाइज का विस्तार करके जवाब दिया। 2022 के बाद से उत्तर कोरिया के मिसाइल परीक्षणों की बौछार के मद्देनजर कोरियाई प्रायद्वीप पर काफी ज्यादा तनाव भड़का हुआ है। कई एक्सपर्ट्स तो ये भी कह रहे हैं, कि कोरियाई प्रायद्वीप तनाव के उस प्वाइंट की तरफ बढ़ रहा है, जहां से विनाश की शुरूआत होती है, क्योंकि उत्तर कोरिया के पास जो हथियार हैं, वो पूरे क्षेत्र को खत्म कर देने के लिए काफी हैं।

शतरंज के बेताज बादशाह कास्पारोव को पसंद नहीं पुतिन

मास्को। राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की खुलकर आलोचना करने वाले शतरंज के पूर्व विश्व चैंपियन गैरी कास्पारोव को रूस ने आतंकवादियों की लिस्ट में शामिल कर दिया है। रूस की वित्तीय निगरानी एजेंसी रोसफिनमोनिटोरिंग ने उन्हें इस लिस्ट में शामिल किया है। इसमें शामिल लोगों की बैंक से लेनदेन पर सीमा लग जाती है। उन्हें अब इसके लिए सरकारी एजेंसियों से इजाजत लेनी पड़ेगी। कास्पारोव ने अपनी नई पहचान एक राजनेता के तौर पर भी स्थापित की है। कास्पारोव ने रूसी राष्ट्रपति पुतिन के खिलाफ मुखड़ होने के बाद कूस छोड़ दिया और अमेरिका में रहने लगे। उन्हें सरकारी एजेंसियों के उत्पीड़न का डर था। उन्होंने 2014 में रूस छोड़ दिया था। कास्पारोव ने यूक्रेन पर रूसी आक्रमण के खिलाफ बार-बार बयान दिया है। उन्होंने बीते साल फरवरी महीने में पश्चिमी देशों से यूक्रेन का समर्थन करने का आह्वान किया था।

अमेरिका का कश्मीर मामले में मध्यस्थता करने से इनकार

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिका ने कश्मीर को लेकर पाकिस्तान को बहुत बड़ा झटका दिया है और मध्यस्थता करने की किसी भी संभावना से साफ शब्दों में इनकार कर दिया है। संयुक्त राज्य अमेरिका के विदेश विभाग के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने कहा है, कि ÷वाशिंगटन कश्मीर पर भारत और पाकिस्तान के बीच ÷उत्पादक और शांतिपूर्ण वार्ता÷ का स्वागत करेगा, लेकिन किसी भी तरह की बातचीत की रफ्तार क्या होगी, उसकी गुंजाइश क्या होगी और बातचीत का आधार क्या होगा, ये भारत और पाकिस्तान के बीच तय करने का मामला है।

यानि, अमेरिका ने साफ शब्दों में कश्मीर को लेकर भारत और पाकिस्तान के बीच आने से इनकार कर दिया है, जो पाकिस्तान के लिए बहुत बड़ा झटका है, क्योंकि वो लगातार इस कोशिश में लगा था, कि अमेरिका, कश्मीर को लेकर भारत और पाकिस्तान के बीच मध्यस्थ की भूमिका निभाए, जबकि भारत किसी भी तीसरे पक्ष के हस्तक्षेप को नकारता है। दरअसल, अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर से कश्मीर को लेकर भारत और पाकिस्तान के बीच भविष्य में होने वाली बातचीत की किसी संभावना को लेकर पाकिस्तानी पत्रकार ने सवाल पूछा था, और ये सवाल उस वक्त पूछा गया है, जब पाकिस्तान में शहबाज शरीफ ने सरकार की कमान संभाली है और उनके प्रधानमंत्री बनने के बाद भारतीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उन्हें ट्वीट कर एक लाइन की बधाई दी। पाकिस्तान में नई सरकार के गठन के बाद से ही कयास लगाए जा रहे हैं, कि दोनों पड़ोसी देशों के बीच रिश्ते सामान्य हो सकते हैं और बातचीत का वो रास्ता खुल सकता है, जिसे पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने बंद कर दिए थे। अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा, कि वाशिंगटन ने भारतीय प्रधानमंत्री के बधाई संदेश का स्वागत किया है।

मिलर ने कहा, संयुक्त राज्य अमेरिका भारत और पाकिस्तान दोनों के साथ अपने संबंधों को महत्व देता है, और हम उनके बीच उत्पादक और शांतिपूर्ण संबंध देखना चाहते हैं।÷ उन्होंने कहा, ÷बेशक हम भारत और पाकिस्तान के बीच सार्थक और शांतिपूर्ण वार्ता का स्वागत करेंगे, लेकिन किसी भी बातचीत की गति, दायरा और चरित्र भारत और पाकिस्तान को तय करना है।÷ भारतीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को प्रधानमंत्री शहबाज को देश के 24वें प्रधानमंत्री के रूप में शपथ लेने पर बधाई दी। मोदी के आधिकारिक एक्स हैंडल पर बयान में कहा गया, ÷पाकिस्तान के प्रधान मंत्री के रूप में शपथ लेने पर झ्ष्ष्स्द्धद्दद्धड्ढडु5 को बधाई।÷ पीएम मोदी ने सिर्फ एक लाइन का ही बधाई संदेश लिखा, जिससे पता चलता है, कि भारत, पाकिस्तान के साथ संबंधों को लेकर कोई ज्यादा उम्मीद नहीं रखता है। अमेरिका ने भी प्रधानमंत्री के रूप में शहबाज की वापसी का स्वागत किया था और दोनों देशों के ÷साझा हितों को आगे बढ़ाने÷ पर नई पाकिस्तानी सरकार के साथ काम करने का आश्वासन दिया है। लेकिन, माना जा रहा है, कि पाकिस्तानी चुनाव में जिस तरह से धांधली हुई है, अमेरिका उससे काफी नाराज है।

चीन की नाक के नीचे इजराइली विनाशक मिसाइल की तैनाती

एजेंसी

बीजिंग। दक्षिण चीन सागर में फिलीपीस चीन के लिए सबसे बड़ा सिरदर्द बन गया है और चीन आजकर हिंद महासागर में जैसे मालदीव को भारत के खिलाफ हथियार बनाकर इस्तेमाल कर रहा है, भारत और उसके दोस्तों ने भी फिलीपींस को चीन की नाक में नकेल डालने वाला बेस बना लिया है।

सेंट्रल लूजॉन में संयुक्त राज्य अमेरिका और फिलीपींस के बीच होने वाले वार्षिक सैन्य अभ्यास के दौरान एक बहु बड़ी हलचल होने जा रही है और रिपोर्ट के मुताबिक, फिलीपींस में इजरायल में बना विनाशक मिसाइल डिफेंस सिस्टम स्पाइडर को पहली बार तैनात किया जाएगा। बालिकाटन 2024 के कार्यकारी एजेंट कर्नल माइकल लॉजिको ने 5 मार्च को पुष्टि की है, कि स्पाइडर (सतह से हवा में मार करने वाली पायथन और डर्बी) एयर डिफेंस सिस्टम, इस सैन्य अभ्यास में प्रमुखता से शामिल होगी। हालांकि, अभी तक जो पता चला है, कि उसके मुताबिक स्पाइडर को फिलहाल सैन्य अभ्यास तक ही सीमित रखा जाएगा और सैन्य अभ्यास के नतीजे मिलने के बाद उसकी स्थाई तैनाती को लेकर विचार किया जाएगा।

फिलीपींस के सशस्त्र बल (एएफपी) की नियमित प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान लॉजिको ने कहा, ÷हम सेंट्रल लूजॉन में इंटीग्रेटेड एयर मिसाइल डिफेंस एक्सराइज भी आयोजित कर रहे हैं।÷ इस सैन्य अभ्यास न केवल स्पाइडर डिफेंस सिस्टम अपनी क्षमताओं का प्रदर्शन करेंगे बल्कि मौजूदा हथियार प्रणालियों के साथ इसकी अंतरसंचालनीयता का भी परीक्षण किया जाएगा। हालांकि, फिलीपींस के सैन्य अधिकारी ने इससे ज्यादा जानकारी का फिलहाल खुलासा नहीं किया है।

जब उनसे इस मिलिट्री एक्सरसाइज के नेचर के बारे में सवाल किया गया, तो उन्होंने कहा, यह लाइव, वर्चुअल और निर्मित दोनों होगा। 22 अप्रैल से 8 मई तक निर्धारित बालिकाटन-2024 मिलिट्री एक्सरसाइज में सेंट्रल लूजॉन में ऐसे सैन्य अभ्यास किए जाएंगे, जिनमें दक्षिण चीन सागर में चीन को कैसे काउंटर किया जाए, इसका प्लान हो। इस वर्ष के सैन्य अभ्यास का मकसद, नई अधिग्रहीत स्पाइडर वायु रक्षा मिसाइल प्रणाली की क्षमताओं का प्रदर्शन करते हुए फिलीपींस और संयुक्त राज्य अमेरिका के बीच लंबे समय से चले आ रहे सैन्य गठबंधन को मजबूत करना है।

2023 में पिछले बालिकाटन अभ्यास के दौरान, बीआरपी पंगासिनन नाम का एक सेवामुक्त फिलीपीन नौसेना कार्वेट ज़ाम्बेल्स को सैन एंटोनियो के तट पर डूबाया गया था, जो इस युद्धाभ्यास की तीव्रता को दर्शाता है। जहाज को डूबोने के लिए रॉकेट लांचर के साथ साथ हेलीकॉप्टर से चलने वाली मिसाइल, तोपखाने और फाइटर जेट का भी इस्तेमाल किया जाएगा।

आपको बता दें, कि फिलीपींस और चीन के बीच दक्षिण चीन सागर को लेकर गहरा विवाद है और इसी हफ्ते चीन कोस्ट गार्ड और फिलीपींस के जहाज के बीच टक्कर भी हुई है। फिलीपींस दक्षिण चीन सागर के एक हिस्से पर अपना दावा करता है, लेकिन चीन उसे एक इंच हिस्सा भी नहीं देना चाहता और इस वजह से दोनों देशों के बीच का तकरार काफी ज्यादा बढ़ चुका है। फिलीपींस ने भारत से सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल ब्रह्मोस भी खरीदा है, जो बताता है, कि दक्षिण चीन सागर का ये विवाद कितना ज्यादा बढ़ चुका है।

भड़के ड्रैगन ने दी औकात दिखाने की धमकी

अपनी फोर्स को अत्याधुनिक बनाने की कोशिश के तहत फिलीपींस ने 2019 में स्पाइडर सिस्टम का आदेश दिया था। यह अधिग्रहण तीन स्पाइडर सिस्टम के लिए राफेल एडवांस्ड डिफेंस सिस्टम के साथ देश के राष्ट्रीय रक्षा विभाग और इजराइल के रक्षा मंत्रालय के बीच साइन किए गये समझौते के तहत हुआ था। इन तीन एयर डिफेंस सिस्टम की कीमत 6.8 अरब डॉलर है। यह अधिग्रहण एएफपी आधुनिकीकरण कार्यक्रम के क्षितिज 2 चरण के अंतर्गत आता है। तीन स्पाइडर मिसाइल बैटरियों में से दो की डिलीवरी पहले ही हो चुकी है, तीसरी के इस साल आने की उम्मीद है। स्पाइडर एयर डिफेंस सिस्टम, हवा के साथ साथ जमीन से आने वाले खतरों को भी खत्म करने की क्षमता रखता है।

स्पाइडर एयर डिफेंस सिस्टम की पहली तैनाती के अलावा, फिलीपींस और संयुक्त राज्य अमेरिका के बीच वार्षिक युद्ध खेलों में लगातार दूसरे वर्ष एक नकली दुश्मन जहाज का डूबना भी शामिल होगा। ये नकली जहाज चीन का माना गया होता है।

कर्नल लॉजिको ने कहा, कि डूबने के अभ्यास में एक रिटायर्ड फिलीपीन नौसेना जहाज का उपयोग किया जाएगा, जो पिछले साल फंसने के बाद से चालू नहीं है।ये जहाज, जिसे पहले बीआरपी लेक कैलिरया के नाम से जाना जाता था, उसे जुलाई 2023 में बाटन के बंद होने के बाद विशेष रूप से इसी अभ्यास के लिए अभी तक बचाकर रखा गया था।

पाक सेना प्रमुख ने नए प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से की मुलाकात

एजेंसी

इस्लामाबाद। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, बैठक के दौरान, पाकिस्तानी सेना और सुरक्षा मामलों के पेशेवर मामलों पर भी विचारों का आदान-प्रदान किया गया।

पाकिस्तान की शक्तिशाली सेना ने एक दिन पहले ही शहबाज शरीफ को पद संभालने पर बधाई दी थी। सेना प्रमुख जनरल मुनीर ने इस्लामाबाद में प्रधानमंत्री आवास परशहबाज शरीफ को बधाई देने के लिए मुलाकात की और देश के 24वें मुख्य कार्यकारी के रूप में पदभार संभालने के लिए उन्हें शुभकामनाएं दीं।

पाकिस्तान में आठ फरवरी को हुए आम चुनाव के लगभग एक महीने बाद शहबाज ने सोमवार को औपचारिक रूप से पदभार ग्रहण किया। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, बैठक के दौरान, पाकिस्तानी सेना और सुरक्षा मामलों के पेशेवर मामलों पर भी विचारों का आदान-प्रदान किया गया। यह भी कहा गया कि बैठक में राष्ट्रीय सुरक्षा समेत अहम मुद्दों पर चर्चा हुई। इस अवसर पर, सेना प्रमुख ने प्रधानमंत्री को उनके पदभार ग्रहण करने पर बधाई और शुभकामनाएं दीं।।